प्रेस विज्ञप्ति

14वें महिंद्रा एक्सीलेंस इन थियेटर अवार्ड्स (मेटा) महेश एलकुंचवार को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार देगा

- मेटा 2019 की ज्यूरी में आकाश खुराना, अनमोल वेल्लानी, ईला अरुण, कुलभूषण खरबंदा, लिन फर्नांडिस, मुकुंद पद्मनाभन, सुनील कोठारी, सुनीत टंडन शामिल होंगे

- नामांकित नाटकों का मंचन राजधानी दिल्ली में 6 से 12 मार्च 2019 को होगा

- ड्रामा स्कूल मुंबई (डीएसएम) की साझेदारी के साथ मेटा नामांकित सर्वोत्कृष्ट नाटकों की श्रृंखला प्रस्तुत करेगा

नई दिल्ली, 25 फरवरी 2019: महिंद्रा एक्सीलेंस इन थियेटर अवार्ड्स (मेटा) और फेस्टिवल ने 2019 के लिए मेटा 2019 लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड की घोषणा की। यह पुरस्कार भारत के सबसे प्रगतिशील नाटककार, महेश एलकुंचवार को दिया जायेगा, जिनके बहुप्रशंसित और समीक्षकों द्वारा सराहे गए नाटकों ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक मराठी और भारतीय थियेटर पर दबदबा बनाये रखा।

पुरस्कारों के 14वें संस्करण की ज्यूरी की घोषणा भी इस अवसर पर की गई, जिसमें जाने-माने थियेटर कलाकार, अभिनेता और नाटककार **आकाश खुराना**, इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट के संस्थापक और भूतपूर्व एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर **अनमोल वेल्लानी**, लोकप्रिय भारतीय अभिनेत्री, गायिका और टीवी व्यक्तित्व **ईला अरुण**, उत्कृष्ट भारतीय कलाकार, **कुलभूषण खरबंदा**, नृत्यग्राम की मैनेजिंग ट्रस्टी और भारत की पहली महिला प्रोफेशनल लाइटिंग डिजाइनर **लिन फ़र्नांडिस**, *द हिन्दू* के भूतपूर्व संपादक और 'द हडल' के क्यूरेटर **मुकुंद पद्मनाभन**, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्य इतिहासकार, शोधार्थी, लेखक और आलोचक **सुनील कोठारी**, और राजधानी के सबसे पुराने थियेटर ग्रुप, यात्रिक के भूतपूर्व और वर्तमान में इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली के डायरेक्टर, **सुनीत टंडन** शामिल हैं।

ये घोषणाएं महिंद्रा एक्सीलेंस इन थियेटर अवार्ड्स (मेटा) और फेस्टिवल के, 6 मार्च से 12 मार्च 2019 तक दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम और श्री राम सेंटर में चलने वाले कार्यक्रम के सम्बन्ध में की गईं। कार्यक्रम के तहत प्रतिष्ठित ज्यूरी द्वारा चुनिन्दा नाटकों का मंचन राजधानी दिल्ली में थियेटर प्रेमियों के सम्मुख किया जायेगा।

PRODUCED BY
TEAMWORK
CELEBRATING THE ARTS

पिछले सभी सालों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए, इस बार चयन समिति को 400 से ज्यादा नाटकों में से चुनाव करना पड़ा। इस साल के नामांकित नाटकों में गुजराती, मलयालम, तमिल, कन्नड़ के साथ हिंदी और अंग्रेजी शामिल हैं । इस साल के चुनिन्दा नाटकों की विषय-वस्तु में पर्याप्त विविधता देखने को मिलेगी।

अगरबत्ती (हिंदी और बुन्देली) में जाति, लिंग, वर्ग, मतभेद और राजनीति की दिलचस्प कहानी है, जो फूलन देवी के बेहमई नरसंहार की पृष्ठभूमि पर आधारित है । **अंधा युग** के दो विविध अनुकरण (वड़ोदरा से गुजराती में और इम्फाल से हिंदी में) महाभारत के संग्राम की पृष्ठभूमि में मानवता पर उसके प्रतिप्रभाव का नाट्य मंचन करेंगे। **चंडाला, इम्प्योर** (तमिल) शेक्सपियर के *रोमियो एंड जूलियट* का अनुकरण है, जिसके माध्यम से भारतीय जाति प्रथा की बेरहमी को प्रस्तुत किया जायेगा। **चिल्लरा समरम** (मलयालम) में लोगों का अपने शहर की नगर निगम के प्रति विरोध दर्शाया जायेगा, जो हर छोटी दुकान की जगह आलीशान मॉल खड़ा कर, सिक्कों के इस्तेमाल को प्रतिबंधित कर देना चाहती है। **कोला** (कन्नड़) एक पारिवारिक ड्रामा है, जो विदर्भ की ग्रामीण पृष्टभूमि में स्थापित है। इसमें रिश्ते, महत्वाकांक्षा, खुशी, गम और क्रोध की कहानी है। **लूज़ वुमन** (अंग्रेजी) डांस, थियेटर, संगीत और विडियो के माध्यम से बताता है कि किस तरह एक महिला विभिन्न 'जगहों' में सफर करती है। **पुलिजन्मम** (मलयालम) एक शास्त्रीय पाठ की पुनर्व्याख्या है, जो हाशिये पर आये दलितों के प्रति समाज की नैतिकता पर सवाल उठाता है। और **भागी हुई लड़कियां** (हिन्दुस्तानी) बयानगी भरी प्रस्तुति है, जो कलाकार की दुविधा को दिलचस्प दृश्य पहलुओं से उभारती है, और इसमें दर्शकों से भी भागीदारी के लिए कहा जाता है।

महाराष्ट्र के विदर्भ प्रान्त से आने वाले महेश एलकुंचवार समकालीन भारतीय थियेटर में, तीन दशकों से भी अधिक समय के अपने प्रभावशाली काम की वजह से जाने जाते हैं। उन्होंने 1960 के दशक में नाटक लिखने शुरू किये थे, उनके कार्यों में पटकथा लेखन, आलोचनात्मक और मंचीय लेखन शामिल रहा। अपने महत्वपूर्ण कार्यों की वजह से वह जल्दी ही सामानांतर सिनेमा मूवमेंट का अटूट हिस्सा बन गए। वह 'रंगायन' के नेतृत्व में चलने वाले प्रगतिशील आन्दोलन का भी प्रमुख चेहरा रहे, जिसमें विजय मेहता, अरविन्द और सुलभा देशपांडे जैसे सितारे, नाटककार विजय तेंदुलकर और अभिनेता श्रीराम लागू शामिल रहे। आपके नाटक, *वडा चिरेबंदी* का मराठी, हिंदी और बंगाली में मंचन किया गया और इस पर टेलीविजन के लिए एक फिल्म भी बनाई गई। इनके दूसरे प्रमुख नाटक हैं *सुल्तान, होली, गरबो, यातनाघर* और *आत्मकथा*। इनके बहुत से नाटकों का अनुवाद और मंचन इंग्लिश और हिंदी में भी हुआ है। इनको होमी भाभा फेलोशिप (1976-78), नाट्यलेखन के लिए संगीत नाटक अकादेमी अवार्ड (1989), साहित्य अकादेमी अवार्ड (2002), सरस्वती सम्मान (2003), यूनिवर्सिटी ऑफ़ विस्कोन्सिन, यूएसए से ब्रिटिंघम फेलोशिप (2005) और जनस्थान पुरस्कार (2011) से सम्मानित किया जा चूका है।

बीते वर्षों में, मेटा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड भारतीय थियेटर के बहुत से चमकते सितारों को प्रदान किया जा चुका है, जिनमें विजय मेहता, अरुण काकडे, रतन थियम, गिरीश कर्नाड, इब्राहीम अल्काज़ी, स्वर्गीय हेसनम कन्हाई लाल, स्वर्गीय खालीद चौधरी, स्वर्गीय जोहरा सहगल और स्वर्गीय बादल सरकार शामिल हैं।

ड्रामा स्कूल मुंबई (डीएसएम) की सहयोग से, मेटा ने Learning@META की भी घोषणा की। यह वर्कशॉप और सत्र चर्चा की एक श्रृंखला है, जिसमें थियेटर के कलाकार और मेटा-नॉमिनेटेड सितारे हिस्सा लेंगे। भारतीय थियेटर को पोषित करने में यह वर्कशॉप मेटा का एक विस्तृत प्रयास है, जिसके माध्यम से इस कला को समर्पित साधकों के लिए एक समुदाय निर्मित किया जा सके। इसका लक्ष्य थियेटर और उसमें प्रयुक्त तकनीक, दक्षता के प्रति समाज को जागरूक करना है, जिससे वो समझ सकें कि एक बेहतरीन प्रस्तुति कैसे तैयार की जाती है। इस वर्ष के सत्र चर्चा में मुख्य ध्यान थियेटर कम्पनी बनाने और चलाने के पहलुओं पर होगा।

मेटा फेस्टिवल का मीडिया लांच **द ताज महल होटल** में आयोजित किया गया जिसमे एक सत्र **'इज थियेटर द मच-नीडेड वाल्व इन द प्रोवर्बिअल सोशियो-पोलिटिकल प्रेशर कूकर ऑफ़ अवर टाइम्स?'** का आयोजन किया गया। इसका सञ्चालन संजॉय के. रॉय ने किया, और सत्र में वक्ताओं में वी.के. शर्मा, एम के रैना, संयुक्ता साहा, दीपन शिवराम और शिल्पी मारवाह ने भाग लिया। उन्होंने सामाजिक और राजनैतिक परितंत्र में थियेटर की भूमिका पर चर्चा की।

महिंद्रा ग्रुप के कल्चरल आउटरीच द्वारा प्रचारित और टीमवर्क आर्ट्स द्वारा निर्देशित, मेटा हर साल भारतीय थियेटर इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतरीन कलाओं और प्रतिभाओं को सम्मानित करता है। भारत की हर भाषा और हर क्षेत्र की नाट्य कला को यहां प्रस्तुत होने का मौका मिलता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के कल्चरल आउटरीच के प्रमुख जय शाह ने फेस्टिवल के बारे में कहा, "मंचीय कला को पहचान देने में मेटा भारत का सबसे बड़ा प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। एक दशक से भी अधिक समय से, यह देश भर के श्रेष्ठ थियेटर को एक मंच पर प्रस्तुत करता रहा है। कला के इस प्रारूप में बहुत सी प्रतिभा है और मेटा के माध्यम से उन्हें दुनिया के सामने ला पाना महिंद्रा ग्रुप के लिए गर्व की बात है।"

टीमवर्क आर्ट्स के एमडी व फेस्टिवल प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय ने कहा, "प्रत्येक साल मेटा भारतीय थियेटर की विविधता और श्रेष्ठता को मजबूती देता है। मेटा 2019 भी देशव्यापी प्रतिभा को हमारा सलाम है। पिछले साल की तरह, इस बार भी मेटा वर्कशॉप और मास्टर क्लासेस थियेटर के साधकों को और करीब लाकर, बेहतरीन कार्य करने को प्रेरित करेंगी।"

मेटा 2019 लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के साथ साथ 13 अन्य श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान करेगा, जिनमें बेस्ट प्ले, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट स्टेज डिजाइन, बेस्ट लाइट डिजाइन, बेस्ट इनोवेटिव साउंड डिजाइन, बेस्ट कोस्ट्युम डिजाइन, बेस्ट एक्टर (मेल), बेस्ट एक्टर (फीमेल), सहायक भूमिकाओं में बेस्ट एक्टर (मेल), बेस्ट एक्टर (फीमेल), बेस्ट ओरिजिनल स्क्रिप्ट, बेस्ट एन्सेम्बल और बेस्ट कोरियोग्राफी शामिल होंगे।

नामांकन की पूरी लिस्ट के लिए कृपया देखें: www.metawards.com. 14वें मेटा फेस्टिवल का पूरा शेड्यूल निम्न है।

फेस्टिवल शेड्यूल –
100/- रुपये और 200/- रुपये कीमत की टिकट www.metawards.com या www.bookmyshow.com पर उपलब्ध हैं।

तिथि	नाटक	भाषा	समय	स्थान	अवधि
06.03.2019	**लूज़ वुमन**	इंग्लिश	रात्रि 8:00 बजे	श्री राम सेंटर	1 घंटा
07.03.2019	**अंधा युग (गुजराती संस्करण)**	गुजराती	सायं 6:00 बजे	श्री राम सेंटर	1 घंटा 35 मिनट
07.03.2019	**भागी हुई लड़कियां**	हिन्दुस्तानी	रात्रि 8:00 बजे	कमानी ऑडिटोरियम	1 घंटा
08.03.2019	चिल्लरा समरम	मलयालम	सायं 6:00 बजे	श्री राम सेंटर	1 घंटा 5 मिनट
08.03.2019	**अगरबत्ती**	हिंदी और बुन्देली	सायं 8:00 बजे	कमानी ऑडिटोरियम	1 घंटा 20 मिनट
09.03.2019	पुलिजन्मम	मलयालम	सायं 6:00 बजे	श्री राम सेंटर	1 घंटा 5 मिनट
10.03.2019	**कोला**	कन्नड़	सायं 5:30 बजे	श्री राम सेंटर	2 घंटे 15 मिनट (10 मिनट का अन्तराल)
10.03.2019	**अंधा युग (हिंदी संस्करण)**	हिंदी	रात्रि 8:00 बजे	कमानी ऑडिटोरियम	1 घंटा 10 मिनट
11.03.2019	चंडाला, इम्प्योर	तमिल	सायं 6:00 बजे	श्री राम सेंटर	3 घंटे (20 मिनट का अन्तराल)

–समाप्त–

संपादकों के लिए नोट्स

महिंद्रा के बारे में

महिंद्रा समूह 20.7 अरब डॉलर का कारोबार करने वाली कंपनियों का परिसंघ है। महिंद्रा समूह का लक्ष्य लोगों को सक्षम बनाने पर केन्द्रित है। इसके लिये वह वैसे समाधान पेश करता है जो पावर मोबिलिटी, ग्रामीण समृद्धि, शहरी जीवन शैली तथा व्यवसाय दक्षता के स्तर को बढ़ाते हैं। यह उपयोगी वाहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं और अवकाश स्वामित्व के क्षेत्र में

अग्रणी स्थान पर है और मात्रा के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर कंपनी है। इसके अलावा इसने कृषि व्यवसाय, घटकों, वाणिज्यिक वाहनों, परामर्श सेवाओं, ऊर्जा, औद्योगिक उपकरण, रसद, अचल संपत्ति, इस्पात, एयरो स्पेस, रक्षा, और दोपहिया उद्योगों में भी मजबूत स्थिति बना ली है। भारत में मुख्यालय वाला महिंद्रा 100 देशों में 200,000 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

महिंद्रा के बारे में और अधिक जानकारी के लिए - www.mahindra.com / Twitter और Facebook: @MahindraRise

टीमवर्क आर्ट्स के बारे में:

25 से अधिक वर्षों से टीमवर्क आर्ट्स ने भारत को पूरी दुनिया तक पहुंचाया है और पूरी दुनिया को भारत के पास लाया है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी,हांगकांग, इटली, इजरायल, कोरिया, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में, टीमवर्क आर्टस ने 40 से अधिक शहरों में 25 से अधिक अत्यधिक प्रशंसित प्रदर्शन कृतियों तथा दृश्य कृतियों को सृजित किया है तथा साहित्यिक उत्सवों का आयोजन किया है। टीमवर्क ने दुनिया के सबसे बड़े मुक्त साहित्यिक समारोहों में से एक समारोह वार्षिक जी जयपुर साहित्य महोत्सव, नई दिल्ली में इशारा अंतर्राष्ट्रीय कठपुतली महोत्सव और महिंद्रा एक्सेलेंस इन थियेटर अवार्ड्स फेस्टिवल एंड (एमईटीए), दक्षिण अफ्रीका में इंटरनेशनल फेस्टिवेल्स शेयर्ड हिस्ट्री,अमरीका में आई आन इंडिया, हांगकांग में इंडिया बाई द बे और आस्ट्रेलिया में कंफ्लुएंस इंडिया ऑफ़ फेस्टिवल -, ब्रिटेन में इंडिया@70 2017: ईयर ऑफ़ कल्चर और अनेक अन्य फेस्टिवल का आयोजन देश विदेश में करते हैं ।

www.teamworkarts.com

<u>मीडिया संबंधित जानकारी के लिए संपर्क करें:</u>

ज़िमिषा कम्युनिकेशन:

संतोष कुमार	santosh@zimisha.com	+919990937676
इम्तियाज़ आलम	imtiaz@zimisha.com	+919810227818
फ़राज़ रिज़वी	pr@zimisha.com	+919711893590
गौरव सचदेवा	info@zimisha.com	+919810331114

PRODUCED BY TEAMWORK CELEBRATING THE ARTS